हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार, 3 मई 2026

तापमान

अधिकतम 41.5 डिग्री

न्यूनतम 25.0 डिग्री

10 आखिर सीएम ने निकाला 'नायाब' रास्ता अस्पताल के बदले दिया आयुर्वेद कॉलेज

12 जिले में 11 परीक्षा केंद्रों पर नीट परीक्षा आज, 3788 परीक्षार्थी होंगे शामिल, तैयारियां पूरी

Where Dreams come True

Under the aegis of RPS Education Society, M/Garh

RPS GROUP OF COLLEGES

28 YEARS

ENGINEERING | POLYTECHNIC | MANAGEMENT | DEGREE | VETERINARY COLLEGE

100% PLACEMENT ASSISTANCE RPSGOI

NAAC ACCREDITED

RPSians Creating New Benchmarks in University Results 2026-1st Rankers

1st Rank	1st Rank	1st Rank	1st Rank	1st Rank	1st Rank	1st Rank	1st Rank
MAMTA D/o Sh. Rajender B.Sc. Hons. Phy. 5th Sem.	TAPESH S/o Sh. Rajkumar B.Tech. ME 7th Sem.	JYOTI D/o Sh. Rajiv B.Sc. Hons. Chem. 5th Sem.	KHUSHI D/o Sh. Akhlesh B.Sc. Hons. Maths 5th Sem.	SANEH D/o Sh. Sunil B.Sc. Non-Medical 5th Sem.	MOHIT S/o Sh. Pawan B.Sc. Hons. Zoo. 5th Sem.	HARSH S/o Sh. Sunil B.Tech. ME. 1st Sem.	PRIYANKA D/o Sh. Dharmender M.Sc. Maths 1st Sem.
AYUSHI D/o Sh. Umesh B.Tech. CSE. 1st Sem.	CHIRAG S/o Sh. Satish B.Tech. CSE AI & ML 1st Sem.	TANU D/o Sh. Surender B.Tech. CSE AI & ML 3rd Sem.	USHA D/o Sh. Balraj M.Sc. Maths 3rd Sem.	JYOTI D/o Sh. Dashrath M.Sc. Phy. 1st Sem.	ISHU D/o Sh. Mahinder B.Com. 3rd Sem.	NANCY D/o Sh. Parvesh B.Sc. Medical 5th Sem.	CHANCHAL D/o Sh. Naveen M.Sc. Chem. 1st Sem.
PREETI D/o Sh. Dhanpat B.Tech. Civil. 3rd Sem.	ADITYA S/o Sh. Umesh B.Tech. ECE 5th Sem.	YOGESH S/o Sh. Rajesh B.Tech. EE 1st Sem.	LAKSHAY S/o Sh. Ajit M.Tech. ECE 1st Sem.	AMIT S/o Sh. Hari Kishan M.Tech. ME 3rd Sem.	DINESH S/o Sh. Krishan B.Tech. EE 5th Sem.	HARSH S/o Sh. Sunil B.Tech. Civil 1st Sem.	AANCHAL D/o Sh. Satish B.Tech. CSE 7th Sem.
DIVYA D/o Sh. Dinesh BBA 3rd Sem.	RITIKA D/o Sh. Suresh M.Sc. Zoo. 3rd Sem.	KAJAL D/o Sh. Rajesh M.Sc. Bot. 1st Sem.	ANSHIKA D/o Sh. Parmod B.tech. CSE 5th Sem.	DEEPANSHU D/o Sh. Satvir B.Tech ECE 1st Sem.	NITESH S/o Sh. Kuldeep B.Tech. EE 3rd Sem.	DIVYA D/o Sh. Rakesh MBA 1st Sem.	POOJA D/o Sh. Sukhbir B.Sc. Hons. Zoo. 3rd Sem.

RPSians in Course Wise TOP 10 University Positions: 2025-26

10/10 UNIVERSITY POSITIONS 04 COURSES | 09/10 UNIVERSITY POSITIONS 07 COURSES | 08/10 UNIVERSITY POSITIONS 09 COURSES

07/10 UNIVERSITY POSITIONS 07 COURSES | 06/10 UNIVERSITY POSITIONS 08 COURSES | 05/10 UNIVERSITY POSITIONS 13 COURSES

UNIVERSITY POSITIONS Total Students 478+

FROM CLASSROOM TO CAREER

OUR RECENT PLACEMENTS

SAHIL (B.Tech. CSE) 35 LACS PER ANNUM

KAPIL SONI (B.Tech. CSE) 24 LACS PER ANNUM

ANUBHAV (B.Tech. CSE) 21 LACS PER ANNUM

VEDPAL (M.Sc. Maths) 14.5 LACS PER ANNUM

INSPHERE SOLUTIONS | epam | Google | AXTRIA SALESIQ

Our Tie-ups/MOUs

Cognizant, accenture, TATA CONSULTANCY SERVICES, CRM MASTERS, STRATBEANS, rubicon, InfoTech, vikramsolar, aws academy, wipro, Hero, HCL, VI, Nirula's, KOYKA, inXee, GNG

GATE-2026 Qualifiers

Total Qualifiers 20

DIMPLE D/o Sh. Naresh B.Tech. (Civil)	JITENDER S/o Sh. Ravinder B.Tech. (ECE)	KESHAV S/o Sh. Anil B.Tech. (ECE)	HARSHITA D/o Sh. Ashok Pal (Chemistry)	KHUSHBU D/o Sh. Kulwant B.Tech. (EE)	HARIOM S/o Sh. Satyapal B.Tech. (CSE)	DAKSH S/o Sh. Laxmi Narayan B.Tech. (CSE)

IIT-JAM 2026 Qualifiers

Total Qualifiers 21

AIR 130	AIR 227	AIR 232	AIR 345	AIR 367	AIR 561	AIR 732
MAMTA D/o Sh. Rajender PHYSICS	RASHMI D/o Sh. Ramesh CHEMISTRY	KHUSHI D/o Sh. Akhlesh MATHEMATICS	POOJA D/o Sh. Kuldeep PHYSICS	JYOTI D/o Sh. Rajiv CHEMISTRY	TAMMANA D/o Sh. Pawan MATHEMATICS	JYOTI D/o Sh. Naresh MATHEMATICS

EXTRA CURRICULAR ACTIVITIES 2025-26

Sports 1st POSITION IN INTER COLLEGE

FOOTBALL | BADMINTON | VOLLEYBALL

KABADDI | CHESS | TAE-KWON-DO

TEAM RPS COLLEGE WINNER

3rd Position All India Inter University National Youth Festival-2026 (10-14 March, 2026)

FOREIGN COLLABORATION MRSU, RUSSIA

INTERNATIONAL WORKSHOP VETopia

RUSSIAN - INDIAN CULTURAL EVENT

ADMISSION OPEN 2026-27

Courses Offered

B.Tech. | M.Tech. | POLYTECHNIC

MBA | BBA | BCA | B.Sc. | M.Sc. | B.A.

B.Com. | M.Com. | B.V.Sc & A.H. | VLDD

Special Classes For All Competitive Exams During Collage Hours.

PRAYAAS A CENTER FOR COMPETITIVE EXAMS

CIVIL SERVICES IAS/IPS | NDA/ CDS | SSC CGL/CPO/ HSSC/ CLERK

IIT/ JAM | AIR FORCE/ NAVY / ARMY | BANKING/ INSURANCE | NET/ GATE

ENGINEERING COLLEGE

DEGREE COLLEGE (UG)

VETERINARY COLLEGE

VETERINARY HOSPITAL

SCAN FOR CAMPUS TOUR

ENGINEERING 01285-341431, 9812002446 www.rpsinstitutions.org

DEGREE 01285-341432, 8222999153 www.rpsdegreecollege.edu.in

VETERINARY 01285-341430, 8222888337 www.rpsvetcollege.org

8th Mile Stone Balana, Mahendergarh, Haryana (NCR)

WORLD CLASS HOSTEL FOR BOYS & GIRLS (AC/ NON-AC)

BUS FACILITY UPTO 80KMS.

खबर संक्षेप

केस दर्ज करने के बाद पीओ गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर एक पीओ के खिलाफ केस दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। अदालत में चल रहे मामले में धारण निवासी गजेंद्र बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी कोर्ट में पेश नहीं हुआ। कोर्ट ने उसे आखिरी नोटिस देने के बाद पीओ घोषित कर दिया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए गए थे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक काबू

बावल। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर सड़क हादसे के बाद गत 9 जनवरी को केस दर्ज किया था। हादसे में दो लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने एक घायल के बयान पर केस दर्ज करने के बाद गाड़ी चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के बिसोवा निवासी अमरजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसकी गाड़ी को भी कब्जे में लिया गया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वर्ष 2014 में विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत 23 जनवरी को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने फतेहाबाद के रौनका निवासी अनिल को गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट में घायल व्यक्ति के बयान पर 4 मार्च को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में चिराहड़ा निवासी आशीष को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

पुलिस के हत्थे पोक्सो एक्ट के आरोपी

रेवाड़ी। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 30 अप्रैल को पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। पीड़िता का सामान्य अस्पताल से मेडिकल करवाया गया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में एक गांव निवासी मनीष और शहर के एक मोहल्ला निवासी विक्की को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी के खून के सैंपल भी डीएनए टेस्ट के लिए लिए गए हैं। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

मेघवाल उत्थान समिति की नांगल उगरा में महासभा आज

रेवाड़ी। हरियाणा में मेघवाल समाज के उत्थान, एकजुटता और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के उद्देश्य से महासभा का आयोजन किया जा रहा है। मेघवाल उत्थान समिति के तत्वावधान में 3 मई को सुबह 9:30 बजे गांव नांगल उगरा स्थित गरीबनाथ महाराज मंदिर में 17 गांवों के मेघवाल समाज की महासभा बुलाई गई है। समाज में व्याप्त कुरीतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। महासभा में शाहपुर, शेखपुर, नांगल तेजू, नांगल उगरा, खुर्रमपुर, भगवानपुर, जैतपुर, टीकला, राणसी माजरी, पावटी, प्राणपुरा व किशनपुर सहित 17 गांवों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

महाभारत काल में निर्मित हुआ गोकलपुर का प्राचीन मंदिर हमारे गौरवशाली अतीत का साक्षीः सीएम

मुख्यमंत्री सैनी ने गोकलपुर आश्रम के कार्यक्रम में की शिरकत

- आश्रम में कराए जा रहे तीन दिवसीय महारूद्री यज्ञ और विशाल भंडारे के आयोजन की सराहना की

रेवाड़ी। मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक करते तथा गोकलपुर में लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सैनी फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा संतों और वीरों की भूमि है, जिसकी संस्कृति में सेवा, त्याग और धर्म का विशेष स्थान है। हरियाणा सरकार अपनी संस्कृति के अनुरूप प्रदेश में आर्थिक विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक व आध्यात्मिक मूल्यों को भी सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री शनिवार को गांव गोकलपुर शिव मंदिर आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक व आध्यात्मिक मूल्यों के विकास के लिए सरकार की ओर से प्रदेशवासियों को तीर्थस्थलों की यात्रा कराने सहित अन्य कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोकलपुर का प्राचीन शिव मंदिर हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और परंपराओं का जीवंत केंद्र है। महाभारत काल में निर्मित हुआ यह प्राचीन शिव मंदिर हमारे गौरवशाली अतीत का साक्षी है। उन्होंने आश्रम में कराए जा रहे तीन दिवसीय महारूद्री यज्ञ और विशाल भंडारे के आयोजन की सराहना की। स्वामी धीरजगिरी महाराज की ओर से चलाए जा रहे पशु अस्पताल व गोसेवा कार्यों, गरीब व बेसहारा कन्याओं के विवाह तथा गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों को भी मानवता की सच्ची सेवा बताया। मुख्यमंत्री ने मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक किया तथा पूजा-अर्चना कर भंडारे का प्रसाद भी ग्रहण किया।

अहीरवाल के युवाओं को सबसे ज्यादा नौकरियां मिलीः राव नरबीर

इस मौके पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि साल 2014 में भाजपा सरकार बनने के बाद अहीरवाल के युवाओं को सबसे ज्यादा नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि आज दक्षिण हरियाणा के इस इलाके में लोजिस्टिक हब, यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज, नेशनल हाईवे और एलिवेटिड रोड बनाए गए हैं, जिनके कारण यह क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने आज किसानों को फसलों के जितने दाम हरियाणा में मिल रहे हैं, उतने आसपास और किसी राज्य में नहीं दिए जा रहे है। लाडो लक्ष्मी जैसी योजनाएं चलाकर मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति का सम्मान बढ़ाया है।

गोसंरक्षण का बजट दो करोड़ से 600 करोड़ किया

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2014 में जब हरियाणा में भाजपा सरकार बनी थी, तब गोसेवा व गोसंरक्षण के लिए दो करोड़ रुपये का बजट था, जिसे बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गोवंश के संरक्षण के लिए गोशालाओं व नंदीशालाओं को निरंतर आर्थिक मदद दी जा रही है। उन्होंने स्वामी धीरजगिरी महाराज से आग्रह किया कि वे आश्रम द्वारा संचालित गोशाला का पंजीकरण कराएं, ताकि इसकी सरकारी मदद दी जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में भंडारा सेवा, समर्पण और समानता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने के बाद से नरेंद्र मोदी सनातन धर्म का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने लंबे संघर्ष, त्याग और बलिदान के बाद 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कर करोड़ों देशवासियों का संकल्प पूरा किया। इसके अलावा उन्होंने सोमनाथ, केदारनाथ, बद्रीनाथ और काशी विश्वनाथ जैसे प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थलों का विकास और जीर्णोद्धार कराया। सीएम ने कहा कि प्रदेश के बुजुर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर श्रद्धालुओं के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना शुरू की गई है। इसके तहत बसों व ट्रेन के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रयागराज में महाकुंभ तथा अयोध्या धाम की यात्रा कराई गई है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वंदना पोपली, जिला प्रभारी नसीम अहमद, रणधीर कापड़ीवास, संदीप हिंदुस्तानी, मुकेश कापड़ीवास, अजय कांटीवाल तथा सरपंच अनिल यादव सहित डीसी अभिषेक मीणा, एसपी हेमेंद्र मीणा व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

319 दिन के बाद भगवानपुर में चल रहा धरना खत्म, आश्वासन पर माने ग्रामीण

आखिर सीएम ने निकाला 'नायाब' रास्ता अस्पताल के बदले दिया आयुर्वेद कॉलेज

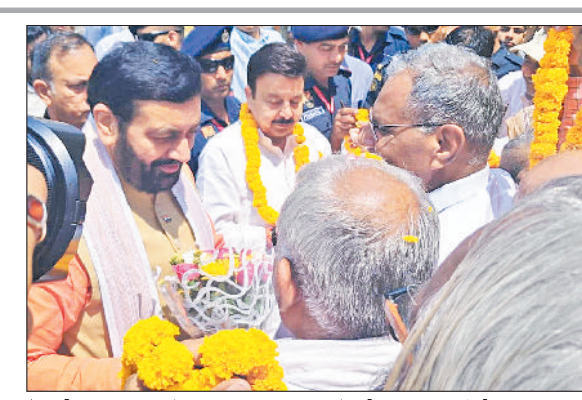

रेवाड़ी। शनिवार को धरना स्थल पर पहुंचे सीएम नायब सैनी का स्वागत करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

गांव में आधुनिक खेल स्टेडियम बनाने का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रामगढ़ भगवानपुर में शहर के सामान्य अस्पताल को शिफ्ट कराने की मांग को लेकर 319 दिन से दिए जा रहे धरने को सीएम नायब सैनी ने शनिवार को एक झटके में खत्म करा दिया। सीएम ने 'बीच का रास्ता' निकालने हुए गांव में आयुर्वेद कॉलेज और आधुनिक खेल स्टेडियम बनाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। गोकलपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए सीएम नायब सिंह सैनी पहले सीधे रामगढ़ भगवानपुर पहुंच गए। वहां धरने पर बैठे ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी मांग को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें वाटर टैंक बनाने के लिए पंचायती जमीन देने पर गांव में शहर का सरकारी स्कूल शिफ्ट कराने का आश्वासन दिया गया था। पहले अस्पताल को कहीं और शिफ्ट करने और बाद में वर्तमान जमीन पर ही अस्पताल बनवाने की योजना को सिरे चढ़ाया जाने लगा। गांव के लोग इससे ठगा सा महसूस कर रहे हैं। सीएम सैनी ने ग्रामीणों की बात को ध्यान से सुनते हुए गांव में आयुर्वेद कॉलेज के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्टेडियम का निर्माण कराने की घोषणा भी कर दी। 'नायब सैनी जिंदाबाद' के नारे लगने शुरू हो गए। ग्रामीणों से लंबे समय से चले आ रहे धरने को खत्म करने की घोषणा कर दी।

रेवाड़ी। रामगढ़-भगवानपुर में 12 जून 2025 को शुरू हुए धरने का फाइल फोटो।

सीएम के दौरे पर शुरू हुआ था विवाद

सीएम नायब सिंह सैनी गत वर्ष 15 जून को शहर में आए थे। उनके आगमन पर ही रामगढ़ भगवानपुर के ग्रामीणों को सूचना मिली कि शहर के अस्पताल को किसी और गांव में शिफ्ट करने की योजना है। इसके बाद ग्रामीण अगले ही दिन केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह से मिलने के लिए उनके रामपुरा निवास पहुंचे थे। राव की दिल्ली में मीटिंग फिक्स होने के कारण वह ग्रामीणों से नहीं मिल पाए थे। इसके बाद अगले ही दिन ग्रामीणों ने धरना देना शुरू कर दिया था।

आरती पर टिप्पणी से हुआ था बवाल

धरना दे रहे ग्रामीणों ने कुछ समय बाद ही महापंचायत बुलाई थी। महापंचायत में बाहर से आए एक वक्ता ने कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। टिप्पणी से आहत हुए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल शिफ्ट होने की संभावनाओं को खारिज कर दिया था। इसके बाद शहर के अस्पताल की बिल्डिंग को तोड़कर इसी जमीन पर नए सिरे से अस्पताल बनाने की योजना को अंतिम रूप दिया गया।

अस्पताल निर्माण को लेकर राजनीति

अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर धरना शुरू किए जाने के बाद से ही जमकर राजनीति होती रही। विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता भी रेवाड़ी आगमन पर धरना दे रहे ग्रामीणों के बीच जाकर उनकी मांग का समर्थन करते रहे। इसके बावजूद राव के 'इनकार' पर सरकार 'इकरार' नहीं कर सकी। आखिरकार सीएम सैनी ने अस्पताल शिफ्ट करने की मांग को आयुर्वेद कॉलेज में शिफ्ट करते हुए ग्रामीणों का दिल जीत लिया।

टैली प्राइम सॉफ्टवेयर का उपयोग और जीएसटी रिपोर्ट तैयार करने की दी जानकारी

- कार्यशाला विश्वविद्यालय की लेखा शाखा के सहयोग से आयोजित की गई

रेवाड़ी। कार्यशाला में अतिथियों का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में वाणिज्य विभाग की ओर से विद्यार्थियों के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला में टैली प्राइम सॉफ्टवेयर का उपयोग करने की जानकारी दी गई और जीएसटी रिपोर्ट तैयार करने, रिटर्न फाइल करने और इसमें होने वाली गलतियों से बचाव से अवगत कराया गया। कार्यशाला विश्वविद्यालय की लेखा शाखा के सहयोग से आयोजित की गई। विश्वविद्यालय की लेखा शाखा में कंट्रोलर आफ फाइनेंस के पद पर कार्यरत योगेश चावला ने विद्यार्थियों को टैली सॉफ्टवेयर की विभिन्न बारीकियों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय की लेखा शाखा से ही वित्त अधिकारी अनिल कुमार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ लेखा विषय के व्यावहारिक अनुप्रयोग के संबंध में अपने अनुभव साझा किए। चार्टर्ड अकाउंटेंट मनीष अग्रवाल ने जीएसटी रिटर्न फाइल करने के संबंध में जानकारी दी। कार्यशाला के प्रथम दिन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यशाला निदेशक प्रोफेसर रविंद्र ने सभी का स्वागत किया और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। कार्यशाला संयोजक प्रो. संजय कुमार हुड्डा ने विद्यार्थियों को थ्योरी ज्ञान के साथ-साथ इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग के महत्व के बारे में बताया।

प्रो. तेज सिंह ने सभी का स्वागत किया गया और प्रो. दीपक गुप्ता ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद किया। कार्यशाला में सहसंयोजक डा. मीरा, कार्यशाला सचिव डा. ममता अग्रवाल, समन्वयक डा. ईश्वर शर्मा एवं डा. सरला ने सहयोग दिया।

एसयूसीआई ने कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में की गई वृद्धि का किया विरोध

रेवाड़ी। एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में की गई भारी वृद्धि का कड़ा विरोध किया है। जिला कमेटी के सचिव शेर सिंह मीरपुर ने कहा कि व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमत अब रिकॉर्ड 3071.50 रुपये हो गई है, जो एक महीने पहले 2078.50 रुपये थी। महासचिव प्रभाष घोष ने कहा कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही केंद्र सरकार ने व्यावसायिक गैस की कीमतों में भारी वृद्धि कर दी है। इस वृद्धि से रेस्तरां, भोजनालयों और अन्य व्यवसायों पर बड़ा असर पड़ेगा। व्यवसायों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और इसका बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ने की संभावना है, जिससे होटलों पर खाना काफी महंगा हो जाएगा। उन्होंने आशंका जताई कि जल्द ही पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी भारी वृद्धि होगी, जिससे आम जनता के लिए जीवन और भी असहनीय हो जाएगा। अमेरिकी साम्राज्यवादियों के दबाव में आकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने रूस और ईरान से सस्ते तेल का आयात बंद कर दिया था और अब उसे अमेरिका से कहीं अधिक कीमत पर तेल खरीदना पड़ रहा है।

मालपुरा के मंदिर में कार्यक्रम मनाया नवनिर्मित कमरे का हुआ उद्घाटन

रेवाड़ी। जाट समाज को सहयोग राशि प्रदान करते हुए रविंद्र। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शनिवार को गांव मालपुरा के मंदिर प्रांगण में स्व. चौधरी शिवराम पंघाल की दूसरी बरसी के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उनकी स्मृति में रविंद्र की ओर से बनवाएं गए कमरे का उद्घाटन सर्वखाप झाड़सा 360 के प्रधान चौधरी महेंद्रसिंह ठाकरान ने किया। इस अवसर पर रविंद्र ने सामाजिक सरोकार के तहत जाट समाज के लिए प्रधान सूरत सिंह कटारिया को 5 लाख रुपये का सहयोग प्रदान किया। इससे पहले भी वे समाज और क्षेत्र की 5 गोशालाओं को आर्थिक सहयोग दे चुके है। इस मौके पर सर्व समाज के सभी लोगों ने उनकी सराहना की तथा जाट समाज के प्रधान ने उनका आभार व्यक्त किया।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर बोहड़ा-52 के प्रधान राजेश चौहान, गुरुग्राम ब्राह्मण सभा के प्रधान मुकेश शर्मा, बावल-84 के प्रधान सुमेर जेलदार, गुरुग्राम-18 के प्रधान जगबीर कटारिया, जाट समाज पटौदी के प्रधान अमन सिंह, जाट समाज के उप प्रधान धनपत सिंह बड़ेसरा, सचिव हंसराज कोच, युद्धवीर फोगाट, पूर्व प्रधान बलबीर सिंह, सतबीर, मोतीराम सरपंच राठीवास, धर्मपाल सरपंच लोकरी, राजबीर बावल, मास्टर छत्तर सिंह, प्रकाश कटारिया, शेर सिंह प्रधान, सुरजीत पहलवान, भूप सिंह, ईश्वरसिंह मालपुरा, सरपंच मलखान सिंह तंवर, महावीर सिंह पथरेड़ी, महासिंह, सुनील नंबरदार, धनीराम व सतबीर पहलवान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

दोपहर के समय सड़कों पर पसरा सन्नाटा, पेय पदार्थों का सहारा ले रहे लोग

तीन दिन की कमी के बाद फिर बढ़ा दिन व रात का तापमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

आसपास के क्षेत्रों में बूंदाबांदी से मौसम बदलने के बाद तीन दिन से आ रही तापमान में कमी से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिलने के बाद शनिवार को तापमान में वृद्धि का सिलसिला फिर शुरू हो गया। शनिवार को भारी गर्मी और लू के थपेड़ों ने जनजीवन को फिर से प्रभावित किया। लू चलने से दोपहर के समय शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोग शाम के समय ही घरों से बाहर निकले। मौसम रोजाना करवट ले रहा है। सुबह-शाम के समय बरसात के बादल छा रहे है, लेकिन बरस नहीं रहे है। आगामी सप्ताह में बादल छाने और तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी होने की संभावना है, जिससे एक बार फिर तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

शनिवार को सुबह से ही मौसम साफ रहा। दोपहर तक गर्म हवाएं चलनी शुरू हो गईं। अधिकतम तापमान 3.0 डिग्री की वृद्धि के साथ 41.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 25.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 20 प्रतिशत रहा। 18 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लू का प्रकोप बढ़ गया, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

लू के थपेड़ों ने किया परेशान

रेवाड़ी। लू से बचाव करती जाती स्कूटी सवार महिला। फोटो : हरिभूमि

बिजली की बढ़ रही दैनिक खपत

तापमान में बढ़ोतरी होने से भारी गर्मी के कारण बिजली का लोड भी बढ़ता जा रहा है। एसी, फ्रीज, कूलर और पंखों का उपयोग बढ़ने से क्षेत्र में बिजली की खपत काफी बढ़ गई है। सीजन में बिजली की दैनिक खपत 95 लाख यूनिट तक पहुंच चुकी है। बिजली की बढ़ती मांग के साथ कट भी लगने लगे है। दोपहर व रात के समय बिजली के कट लग रहे है।

दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम रही और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। बाजार में भी दोपहर के समय सन्नाटा रहा। गर्मी से बचने के लिए लोग छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आगामी सप्ताह में मौसम में बदलाव को देखने को मिल सकता है। आसमान में घने या आंशिक बादल छा सकते हैं। तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी भी हो सकती है। इससे लोगों को झुलसाने वाली गर्मी से कुछ हद तक राहत मिल सकेगी।

सट्टा खाईवाली करने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने नेहरू पार्क के पास सट्टा खाईवाली करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से नकदी और पर्चियां बरामद हुई हैं। पुलिस को सूचना मिली थी की एक युवक नेहरु पार्क के गेट के सामने सरेआम सट्टा खाईवाली का काम कर रहा है। सूचना के बाद तुरंत रेडिंग पार्टी तैयार करके बताए हुए स्थान पर पहुंचकर आरोपी को काबू कर लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सुरेश कुमार निवासी गांव सहारनवास बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सट्टा पर्चा व 1350 रुपये बरामद किए हैं। आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया।

खबर संक्षेप

डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए जताया आभार

कोसली। विधायक अनिल यादव ने कोसली के नागरिक अस्पताल में नए विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति किए जाने पर स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति से कोसली और आसपास गांवों के हजारों लोगों को अपने घर के नजदीक ही चिकित्सा सेवा का लाभ मिल सकेगा। विधायक ने बताया कि अस्पताल में एमडी एनस्थेसिया, एक ओबीएस व गाइनी, एक श्वांस रोग विशेषज्ञ, एक हड्डी रोग विशेषज्ञ व एक बाल रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति की गई हैं। स्थानीय नागरिकों को जल्द ही इन चिकित्सकों की सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

नारनौल। निजामपुर रेलवे स्टेशन के पास डेडीकेटिड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) लाइनों पर मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। युवक मेहाड़ा का रहने वाला था। जीआरपी चौकी प्रभारी कैलाश शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को राजस्थान के नीमकाथाना जिला के गांव मेहाड़ा का करीब 25 वर्षीय सोनू किसी काम से निजामपुर आया था। निजामपुर के रेलवे स्टेशन के पास वह फ्रेड कॉरिडोर की लाइनों को क्रॉस कर रहा था। इस दौरान वह अज्ञात मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिसकी सूचना जीआरपी चौकी को मिली। जिसके बाद जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पर मृतक युवक की शिनाख्त की गई। शिनाख्त हो जाने पर परिजनों को इसकी सूचना दी गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया गया।

निर्वाचित कॉलेजियम सदस्य आज करें अवलोकन

नारनौल। सैनी सभा की ओर से हाल ही में निर्वाचित कॉलेजियम सदस्य तीन मई को दोपहर 12 बजे चुनाव कार्यालय में उपस्थित होंवे। इस संबंध में चुनाव अधिकारी ने बताया कि सैनी सभा नारनौल के चुनाव कार्यालय में चुनाव में विजय होने का प्रमाण पत्र के अवलोकन हेतु उपस्थित होंगे।

गोचारा के लिए गोशाला में दिए 1.55 लाख

कनीना। गाय के तैतीस कोटि देवता निवास करते हैं। जो गाय की सेवा से प्रसन्न होते हैं। ये विचार दिल्ली निवासी अश्वनी गोयल ने गो सेवा के प्रति आस्था दिखाते हुए कनीना की श्री कृष्ण गोशाला को 1.55 लाख की राशि भेंट करते हुए व्यक्त किए। यह राशि गोचारा के लिए दी गई है, मेडिकल व्यवसाय से जुड़े अश्वनी गोयल ने इसे सामाजिक और मानवीय कर्तव्य बताते हुए कहा कि गो सेवा समाज के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। गोशाला प्रधान भगत सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस सहयोग से गोवंश के लिए बेहतर चारा व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

युवती को झांसे में लेकर ठगे लाखों रुपये

महेंद्रगढ़। डिजिटल युग में साइबर अपराधी मासूम लोगों को ठगने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ताजा मामला सतनाली क्षेत्र के गांव का है, जहां एक युवती विदेशी गिफ्ट के झांसे में आकर अपनी मेहनत की बड़ी कमाई गंवा बैठी। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 मार्च को उनके पास अनजान अंतरराष्ट्रीय नंबरों से व्हाट्सऐप कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को यूके इंग्लैंड का निवासी बताया। बातों के जाल में फंसाकर आरोपित ने युवती को कीमती गिफ्ट भेजने का लालच दिया। गिफ्ट के नाम पर सीमा शुल्क और अन्य शुल्कों के बहाने आरोपितों ने युवती से कुल 255599 रुपये धोखाधड़ी से ऐंठ लिए गए। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

सिद्ध पुरुष बताकर राव ने भी पहली बार की मुक्त कंठ से प्रशंसा, मंच साझा करने के बावजूद बनी रही नरबीर और राव में दूरी

भाजपा में नजर आया सियासी बदलाव, पहली बार मुख्यमंत्री पहुंचे राव इंद्रजीत के निवास

नरेन्द्र वत्स ▸▸| रेवाड़ी

सीएम नायब सिंह सैनी के शनिवार को रेवाड़ी आगमन पर भाजपा में कई नए सियासी बदलाव साफ तौर पर देखने को मिले। वर्ष 2014 के बाद पहली बार भाजपा का कोई सीएम केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत के निवास पर जलपान पर पहुंचा, तो फितरत से हटकर राव ने भी 'सिद्ध पुरुष' बताते हुए प्रदेश के सीएम की मुक्त कंठ से प्रशंसा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के कांग्रेस में रहते हुए तत्कालीन सीएम भूपेंद्र हुड्डा के साथ राजनीति मतभेद सुर्खियों में रहे थे। हुड्डा के साथ मतभेद इस कदर बढ़े थे कि राव को वर्ष 2013 में कांग्रेस को अलविदा कहना पड़ गया था। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हुए। देश और प्रदेश में भाजपा की सरकारें बनने के बाद राव के तत्कालनी सीएम मनोहरलाल के साथ मतभेद शुरू हो गए थे, जो अभी तक बरकरार हैं। मनोहरलाल ने भी अहीरवाल में राव को कमजोर करने के लिए उनके विरोधियों को लगातार प्रभावी बनाने के प्रयास किए, परंतु जनाधार की बदौलत राव बेबाकी के साथ अपना विरोध दर्ज कराते रहे। मनोहरलाल के साथ राव के राजनीतिक मतभेद लगातार बने रहे, जो अभी तक बरकरार हैं। सीएम पद पर रहते हुए मनोहरलाल कभी भी राव के निवास पर नहीं पहुंचे। दोनों नेताओं ने बहुत कम मौकों पर मंच साझा किए। जब भी मंच साझा किए, राव ने मनोहर पर निशाना साधने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

रेवाड़ी। राव इंद्रजीत सिंह के निवास पर चर्चा करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी।

नायब के साथ अच्छा सामंजस्य

नायब सिंह सैनी शनिवार को रेवाड़ी आगमन पर न सिर्फ राव के रामपुरा निवास जलपान के लिए पहुंचे, बल्कि काफी देर तक उनके साथ राजनीतिक हालात पर मंत्रणा भी की। इसके बाद जब एक प्राइवेट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में दोनों नेता एक साथ मंच पर पहुंचे, तो राव का ज्यादातर भाषण नायब सैनी की प्रशंसा पर केंद्रित रहा। उन्होंने तांत्रिक क्रिया से जुड़ी 'मूठ' का जिक्र करते हुए कहा कि काली मूठ विनाश के लिए छोड़ी जाती है, जबकि सफेद मूठ से असाध्य रोगों का इलाज किया जाता है। नायब सिंह सैनी सफेद मूठ की तरह कार्य कर रहे हैं, जिससे प्रदेश के लोगों की समस्याओं का तुरंत समाधान हो रहा है।

नरबीर का नजरिया वही

राव और सीएम के मंच पर पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने खुद को कम से कम राव से अलग रखने का प्रयास किया। हालांकि राव ने संबोधन में राजनीतिक विरोधी राव नरबीर सिंह का नाम लेने में गुरेज नहीं किया, लेकिन नरबीर को एक मौके पर खुद प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने हाथ पकड़कर कुर्सी से उठाया। इस कार्यक्रम को जिस तरह से प्रचारित किया जा रहा था, उस हिसाब से आयोजक भीड़ नहीं जुटा पाए। भीड़ के अभाव में पीछे की कुर्सियां तक खाली पड़ी रहीं। इसका कारण भी आयोजक राव विरोधी खेमे के होना माना जा रहा है।

लाखों रुपये की लागत से बना आधुनिक स्टोरेज, कबाड़ में तब्दील हो रहा सामान

डेढ़ दशक से बंद पड़ा मंडी का पैक हाउस कम-कोल्ड स्टोरेज टेंडर पर देने को तैयार

- हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड ने पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज संचालन के लिए मांगे टेंडर, 20 मई तक कर सकेंगे आवेदन
- चोरी और उपयोग न होने से सरकारी संपत्ति को लगा बड़ा झटका

राजकुमार ▸▸| नारनौल

हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड पंचकूला ने प्रदेश की विभिन्न मंडियों में बने पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज को संचालन के लिए लीज पर देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी कड़ी में नारनौल की नई अनाज एवं सब्जी मंडी में करीब डेढ़ दशक से बंद पड़े पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज को भी अब दोबारा शुरू करने की कवायद तेज हुई है। इसके लिए ऑनलाइन टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एजेंसियां और फर्में 20 मई को शाम तीन बजे तक ई-टेंडर पोर्टल पर आवेदन कर सकती हैं। पहले आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 6 मई निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढ़ा दिया गया है। हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के चीफ मार्केटिंग इनफोर्समेंट ऑफिसर की ओर से यह प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत प्रदेश की 10 मंडियों केपैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इनमें बेरी, डबवाली, फरीदाबाद, रोहतक, जगाधरी, पानीपत, करनाल, पेहवा, हिसार और नारनौल शामिल हैं। चयनित एजेंसियों को तकनीकी और वित्तीय बोली के आधार पर स्टोरेज संचालन का अधिकार दिया जाएगा।

अलग खबर

नारनौल। मंडी में बना पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज व स्टोरेज के बाहर लगाए गए दो बड़े जरनेटर। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। चोरी के बाद क्षतिग्रस्त स्टोरेज के बाहरी उपकरण। फोटो : हरिभूमि

आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाया गया था कोल्ड स्टोरेज

नारनौल के नांगल चौधरी रोड स्थित जल महल के समीप करीब 65 एकड़ क्षेत्र में नई अनाज, सब्जी एवं पशुचारा मंडी विकसित की गई थी। वर्ष 2008 में तत्कालीन सरकार ने इस मंडी के निर्माण कार्य की शुरुआत करवाई थी। इसी दौरान मंडी परिसर में किसानों और फल-सब्जी व्यापारियों को सुविधा देने के उद्देश्य से आधुनिक पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज का निर्माण भी कराया गया था। कोल्ड स्टोरेज में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए अलग से ट्रांसफार्मर लगाया गया था। इसके अलावा दो बड़े जनरेटर और कई एयर कंडीशनर भी लगाए गए थे, ताकि फल एवं सब्जियों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सके। उस समय इस परियोजना पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे और इसे मंडी की बड़ी उपलब्धि माना गया था।

यह बोली अधिकारी

नारनौल मार्केट कमेटी की कार्यकारी अधिकारी-सह-सचिव नुकुल यादव ने बताया कि पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज को लीज पर देने की योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एजेंसियां 20 मई तक तकनीकी एवं वित्तीय बिड जमा करा सकती हैं। जो एजेंसी तय मानकों पर खरी उतरेगी, उसे स्टोरेज संचालन का जिम्मा सौंपा जाएगा।

नहीं मिला कोई खरीदार

कोल्ड स्टोरेज को चालू करवाने और लीज पर देने के प्रयास पहले भी किए जा चुके हैं, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। फल एवं सब्जी कारोबार से जुड़ी एजेंसियों ने इसमें विशेष रुचि नहीं दिखाई। अब एकबार फिर हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड ने टेंडर जारी कर नई उम्मीद जगाई है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस बार कोई सक्षम एजेंसी आगे आएगी और वर्षों से बंद पड़ी यह परियोजना उपयोग में आ सकेगी।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई

केसरी नंदन अग्रवाल वैश्य समाज के बने रेवाड़ी विधानसभा अध्यक्ष

मनीष गोयल।

केसरी नंदन

सुनील गोयल।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

- मनीष गोयल महासचिव और सुनील गोयल कोषाध्यक्ष नियुक्त

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने रेवाड़ी जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल की अनुशंसा से केसरी नंदन अग्रवाल को रेवाड़ी विधानसभा अध्यक्ष, मनीष गोयल को महासचिव और सुनील गोयल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला, महिला प्रदेशाध्यक्ष सुशीला सर्राफ व जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल सहित सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद किया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वे अग्रवाल वैश्य समाज से ज्यादा से ज्यादा समाज के लोगों को जोड़ेंगे व वैश्य समाज को संगठित करेंगे। जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल ने वैश्य समाज के लोगों आगामी नगर परिषद चुनावों में मतदान करने का आह्वान किया है। अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप खंडेलवाल, जिला महासचिव तेजपाल गर्ग, कोषाध्यक्ष प्रवीण बंसल, जिला महिला अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल, महासचिव यशोदा बंसल व कोषाध्यक्ष गरिमा मित्तल सहित सदस्य मनोज कुमार मित्तल, एडवोकेट नीतेश अग्रवाल, राम किशन अग्रवाल, मनोज गोयल, सुनील अग्रवाल, जगदीश प्रसाद गोयल, ललित कुमार सिंघल, दिनेश गोयल, अश्विनी गर्ग, अरुण गर्ग, हंसराज सिंघल, सुमित मित्तल, अमित कुमार मित्तल, हिमांशु सिंघल, ललित भूषण गुप्ता, विनय बंसल, आशीष मित्तल, मनोज गुप्ता, मोहित सिंघल, अनिल गुप्ता, आयुष गुप्ता, अशोक गोयल, आशा मंगला, दीपिका अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, सपना कुमारी अग्रवाल, प्रियंका मित्तल, अंजू अग्रवाल, ज्योति गोयल, शशि बंसल, मंजू अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, मनु मंगला, रजनी जैन, पूजा गुप्ता, रजनी गुप्ता आभा रूंगटा, नीतू अग्रवाल, सीमा खंडेलवाल, सरला अग्रवाल, रूही गोयल, मीनाक्षी अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल व प्रिया गोयल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी है।

बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए खेलकूद जरूरी : अनिल

- कोसली क्षेत्र के गांवों में चल रहीं 25 खेलों की नर्सरियां, निखर रहीं प्रतिभाएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोसली

कोसली क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभाओं को खेलकूद को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार की ओर से 25 खेल नर्सरियां चलाई जा रही हैं। इसके लिए विधायक अनिल यादव ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं खेल मंत्री गौरव गौतम का आभार व्यक्त किया है। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संकल्प लिया है कि हरियाणा प्रदेश को पूरी तरह से नशामुक्त बनाना है, ऐसी परिस्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि हम भावी पीढ़ी का रुख खेलों की ओर करें। उन्होंने कहा कि खेलों से न केवल बच्चों का शारीरिक विकास होता है, अपितु उनको मानसिक संबल मिलता है। बताया कि हरियाणा के पारंपरिक खेल खो-खो की नर्सरी इस समय राजकीय माध्यमिक विद्यालय लुहाना व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रोहड़ाई में चलाई जा रही है। वालीबॉल की नर्सरी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंदौला, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव धवाना, जुड्डी तथा गांव झाड़ौदा में स्थापित की गई हैं। एथलेटिक्स की खेल नर्सरी गांव सीहा, जैनाबाद, डहीना व गांव नठेड़ा में संचालित की जा रही हैं। विधायक ने बताया कि रावमावि गांव कंवाली, रावमावि मोतला कलां, ग्राम पंचायत कंवाली तथा गांव जाटूसाना में हॉकी की खेल नर्सरी चलाई जा रही है। मॉडल संस्कृति विद्यालय गांव कमालपुर में शूटिंग, सूरज स्कूल गुड़ियानी में स्केटिंग, भारतीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल नांगल मूंदी में तीरंदाजी, रावमावि नांगल पठानी में बास्केटबॉल, नांगल पठानी सरकारी स्कूल तथा ग्राम पंचायत सुरहेली की बॉक्सिंग नर्सरी में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

सामाजिक संस्था प्रेरणा ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित कीं पुस्तकें

कोसली। कोसली की सामाजिक संस्था प्रेरणा ओर से तुंबाहेड़ी गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पुस्तक वितरण कार्यक्रम हुआ। शिक्षाविद डा. महाबीर निर्दोष की ओर से विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के जरूरतमंद 15 विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित की गई। मुख्य अतिथि कोसली बार के प्रधान जय किशन ढिल्लों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कार्य को नेक व प्रेरणा देने वाला बताया। कार्यक्रम में रोहतक की साहित्यकार अर्चना कोचर को संतरा देवी महाकलमवीर सम्मान व ढाकला गांव के पर्यावरण प्रेमी जोरावर सिंह को मामन सिंह पर्यावरण मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डा. सतबीर इंदोरा, कैलाश यादव, बस्तीराम, पवन गहलोत, पूनम सरपंच तुम्बाहेड़ी, मैनपाल, सत्यवान, अशोक ढोरिया, पवन जाखड़ व हरिकिशन सहित समस्त विद्यालय स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित थे।

आर्य समाज लुहाना के वार्षिक उत्सव का शुभारंभ, दानवीरों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

रेवाड़ी। लुहाना में आर्य समाज के वार्षिक उत्सव में सम्मान करते हुए आयोजक।

जिले के गांव लुहाना में शनिवार को आर्य समाज के दो दिवसीय वार्षिक उत्सव का शुभारंभ हवन के साथ किया गया। इस मौके पर भजन उपदेश तथा सम्मान समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश भर से विद्वानों, विदुषियों, भजन उपदेशकों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उत्सव में आचार्य दुष्यंत आगरा, स्वामी सर्म्पणानंद महाराज, साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया, स्वामी यशदेव, बहादुर शास्त्री व जयसिंह भगत ने स्वामी दयानंद सरस्वती की विचारधारा से जुड़े प्रेरक पक्ष रखे, वहीं कल्याणी आर्या हिसार, महाशय धर्मपाल ईशरोधा व पंडित सुंदरलाल वैदिक ने अपने भजनों तथा उपदेशों से सभी को भावविभोर किया। इस अवसर पर आर्य समाज को सहयोग देने वाले दानवीरों को सम्मानित किया गया, जिनमें कमांडेंट रणबीर सिंह, बाबू शिवनारायण, विजय सिंह व महाशय हरनारायण शामिल थे। समिति की ओर से प्रधान कप्तान सत्यनारायण, कप्तान हरपाल सिंह, राजसिंह आर्य, रामकुमार आर्य, सुनील कुमार, धर्मवीर, सूबेदार रामचंद व यशपाल आर्य ने कार्यक्रम में सहयोग दिया।

एमए हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान की कक्षाएं शुरू करने और बीए की सीट बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सतनाली मंडी

सतनाली। प्राचार्य को ज्ञापन सौंपते एबीवीपी कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

एबीवीपी नगर सतनाली इकाई ने राजकीय महाविद्यालय सतनाली में एम हिन्दी, अंग्रेजी एवं राजनीति विज्ञान की कक्षाएं प्रारंभ करने तथा बीए पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग का ज्ञापन सौंपा। प्राचार्य डा. सुधीर लांबा को शिक्षा मंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस सतनाली कॉलेज में एमए स्तर पर हिन्दी, अंग्रेजी और राजनीति विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषय उपलब्ध नहीं होने से कस्बे व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता है। जिससे उन्हें आर्थिक, समय और परिवहन से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार छात्र-छात्राएं इन कठिनाइयों के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इसके अलावा कॉलेज में बीए पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि वर्तमान में सीटें कम होने के कारण हर वर्ष अनेक योग्य विद्यार्थी प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। इस दौरान कॉलेज स्टाफ से डा. जरनैल सिंह भी मौजूद रहे। एबीवीपी नगर अध्यक्ष डा. विपिन कुमार एवं नगर मंत्री सचिन कुमार ने कहा कि एबीवीपी विद्यार्थियों के हितों के लिए कार्य करती रही है।

जयपुर गए नायन के व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या का आरोप

- राकेश के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे

नारनौल। गांव नायन निवासी करीब 45 वर्षीय राकेश पुत्र बुधराम की जयपुर में मौत हो गई। राकेश पिछले 16-17 दिन पहले गांव के ही रोशन नामक व्यक्ति के साथ चिनाई का काम करने जयपुर गया था। गुरुवार एक मई शाम परिजनों को फोन कर सूचना दी गई कि राकेश की करंट लगने से मौत हो गई है। इसके बाद रोशन शव को गांव लेकर पहुंचा, लेकिन शव की हालत देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। मृतक के भाई शेर सिंह ने आरोप लगाया कि राकेश के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। उन्होंने बताया कि हाथों से लेकर पेट तक बुरी तरह मारपीट के निशान दिखाई दिए, शरीर के कई हिस्सों की चमड़ी काली पड़ चुकी थी और नाक से गहरा खून निकल रहा था। परिजनों का कहना है कि यदि मौत करंट लगने से हुई होती, तो शरीर पर उसके निशान दिखाई देते, लेकिन ऐसा नहीं था। इसी कारण परिवार ने इसे संदिग्ध मानते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। मृतक शादीशुदा था तथा उसके दो लड़के व एक लड़की है। परिजनों के अनुसार रोशन ने बताया था कि राकेश ने चार दिन पहले एक काम पूरा कर लिया था, जिसके बाद उसे किसी अन्य ठेकेदार के पास काम पर लगाया गया। इन चार दिनों के दौरान क्या हुआ, इसकी जानकारी परिवार को नहीं है। मृतक के भाई ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की गहन जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। घटना की सूचना मिलने पर नांगल चौधरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस को अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से टैंट सिलाई मास्टर की मौत

नारनौल। गांव कारोली-तलोट के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक दिव्यांग व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार सवेरे निजामपुर रोड पर लोगों ने एक व्यक्ति के शव को देखा तथा इसकी जानकारी निजामपुर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में ले उसे नागरिक अस्पताल पहुंचाया। बाद में मृतक की पहचान करीब 42 वर्षीय सुंदर लाल निवासी गांव माउंडा, तहसील नीमकाथाना (राजस्थान) के रूप में हुई है।

सूचना

मैं, राम अवतार पुत्र श्री प्रभाती लाल निवासी मकान नंबर 360, गांव व पोस्ट कंवाली, उपतहसील डहीना, जिला रेवाड़ी, हरियाणा बयान करता हूं कि मैंने पूर्व में एक हलफनामा के जरिये अपने पुत्र संदीप को अपनी तमाम चल व एवं अचल सम्पति से बेदखल कर दिया था, जिसकी बाबत समाचार पत्र में भी सूचना अप्रैल 2016 में प्रकाशित करवाई गई थी। अब मेरे पुत्र संदीप ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और भविष्य में ठीक प्रकार से रहने का आश्वासन मुझे व मेरे अन्य परिवार के सदस्यों को दिया है, जो मैं अपने पुत्र संदीप के प्रति पूर्व में निकाली गई समाचार पत्र में बेदखली की सूचना को वापिस लेता हूं और अपने पुत्र को सम्मानपूर्वक अपने साथ रखना चाहता हूं। मेरे द्वारा पूर्व में दिया गया हलफनामा व सूचना बेदखली को निरस्त समझी जावे।

अवैध शराब के साथ चार आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

- आरोपियों के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं
- मेघराज के मकान से 60 बोतल देशी शराब बरामद की

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

जिला पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं। थाना बावल पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र से राजस्थान के जिला कोटपुतली बहरोड़ के गांव काली पहाड़ी निवासी देवेन्द्र व हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के गांव घुगर निवासी पवन कुमार को 12 बोतल अंग्रेजी शराब व 12.5 बोतल देशी शराब सहित काबू किया है। थाना रोहडाई पुलिस टीम ने क्षेत्र से जिला गुरुग्राम के गांव बपास निवासी आरोपी नरेश कुमार को 24 बोतल अंग्रेजी शराब सहित काबू किया है। इसी प्रकार तीसरे मामले में थाना रामपुरा पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र से बिहार के जिला जिला शिवान के गांव दोन बुजुर्ग निवासी आरोपी राजन राम को 13.5 बोतल देशी शराब सहित काबू किया है।

दूसरे चरण में 11 से 16 मई तक जन भागीदारी पर फोकस रहेगा

शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की चलाई जा रही मुहिम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

- आमजन से कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में नगर परिषद का सहयोग देने की अपील की

नगर परिषद की ओर से शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की दिशा में लोगों की जागरूकता के लिए नई सोच, नया शहर, स्वच्छ हरियाणा अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत घर-घर से कचरा अलग करना, आवासीय एरिया और मार्केट एरिये में सफाई अभियान, कचरे के संवेदनशील बिंदुओं की पहचान करना और सफाई करना, एकल उपयोग प्लास्टिक के चालान और कपड़े के बैग बांटना आदि गतिविधियां कराई जा रही है। नगर परिषद टीम की ओर से अभियान के प्रथम चरण में एक मई से 9 मई तक लोगों को डोर टू डोर कचरा सेग्रिगेशन व घरों के आसपास की सफाई सहित अनेक मुद्दों पर जागरूक किया जा रहा है। दूसरे चरण में 11 से 16 मई तक जन भागीदारी पर फोकस रहेगा, जिसमें मार्केट की सफाई, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, दुकानदारों की जागरूकता और रोजना सफाई अभियान चलाया जाएगा। लोगों साफ सफाई के बारे में जानकारी दी जा रही व लोगों को इसके प्रति जागरूक किया जा रहा है। डीएससी ब्रह्मप्रकाश व ईओ अरुण नांदल ने आमजन से कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में नगर परिषद का सहयोग देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है, जिसके लिए निरंतर अभियान चलाए जा रहे हैं।

रेवाड़ी। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करती नप टीम। फोटो : हरिभूमि

सुरक्षा कड़ी: सीसीटीवी व जैमर रहेंगे एक्टिव, इलेक्ट्रानिक उपकरण ले जाने पर रहेगी पाबंदी

जिले में 11 परीक्षा केंद्रों पर आज नीट परीक्षा देंगे 3788 परीक्षार्थी

फोटो स्टेट की दुकानें रहेंगी बंद

- परीक्षार्थियों को बायोमैट्रिक हाजरी के बाद परीक्षा कक्ष में जाने दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

जिले में 3 मई को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानि नीट-यूजी को लेकर प्रशासन की ओर से पूरी तैयारियां कर ली गई है। परीक्षा के लिए जिले में 11 परीक्षा केंद्र बनाए गए है, जिनमें 3788 परीक्षार्थी नीट की परीक्षा देंगे। परीक्षार्थियों को बायोमैट्रिक हाजरी के बाद परीक्षा कक्ष में जाने दिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर सुबह 11 बजे से परीक्षार्थियों की एंट्री शुरू की जाएगी तथा दोपहर 1:30 बजे गेट बंद कर दिए जाएंगे। निर्धारित समय के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी स्थिति में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों अपने साथ केवल एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र लाना होगा। अभ्यर्थियों को अपने साथ पेन लाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि केंद्र पर ही पारदर्शी पेन उपलब्ध कराया जाएगा।

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित गर्ल्स कॉलेज, जहां नीट की परीक्षा होगी तथा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज लिसाना, जहां नीट की परीक्षा होगी। फोटो : हरिभूमि

जिले में इन केंद्रों पर होगी नीट परीक्षा

जिले में आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के लिए राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी, पीएमश्री राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरकुलर रोड रेवाड़ी, राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-18 रेवाड़ी, पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना, पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय रेवाड़ी, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज लिसाना, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुरावड़ा, पीएमश्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिठवाना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बूढ़पुर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सहारनवास और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोकलगढ़ में परीक्षा केंद्र बनाए गए है।

परीक्षार्थियों को सुबह 11 बजे से दी जाएंगी एंट्री

जिले में आयोजित होने वाली नीट-यूजी परीक्षा के लिए 11 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। इन परीक्षा केंद्रों पर 3788 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा केंद्र में प्रवेश सुबह 11 बजे शुरू होगा और दोपहर 1:30 बजे गेट बंद कर दिए जाएंगे। परीक्षा का समय दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रहेगा। परीक्षा के समय आसपास के साइबर कैफे व फोटो स्टेट की दुकानें बंद रहेंगी। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी व जैमर एक्टिव रहेंगे।

इलेक्ट्रॉनिक और अन्य वस्तुओं पर रहेगा प्रतिबंध

परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, ईयरफोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर व पेन ड्राइव जैसे सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा ज्योमेट्री बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, राइटिंग पैड, स्केल और इरेजर जैसी वस्तुएं भी ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केंद्र में वॉलेट, हैंडबैग, बेल्ट, टोपी या किसी भी प्रकार के धातु के आभूषण पहनकर प्रवेश करने पर प्रतिबंध रहेगा।

▸▸| परीक्षार्थियों अपने साथ केवल एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र लाना होगा

पुलिस का रहेगा पुख्ता प्रबंध

नीट परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों व शहर की यातायात व्यवस्था के लिए अतिरिक्त पुलिस जवानों की तैनाती रहेगी। परीक्षा केंद्रों में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस कर्मी वाकी-टाकी से लैस होंगे ताकि अधिकारियों तक तुरंत सूचना पहुंचाई जा सके। परीक्षार्थियों की गहन तलाशी ली जाएगी, जिसके लिए एचएचएमडी और फ्रिस्किंग टीम को तैनात रहेगी।

परशुराम न्याय और शक्ति के प्रतीक, वहीं महात्मा बुद्ध शांति व करुणा के पुंजः रेणुका

- विश्व कल्याण और सामाजिक समरसता की भावना के साथ यज्ञ में आहुतियां डाली

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

भगवान परशुराम शिक्षा समिति की ओर से शनिवार को बूढ़पुर में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रधान सत्य प्रकाश गौतम की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाने के साथ बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर महात्मा बुद्ध को भी याद किया गया। आचार्य विशाल शास्त्री ने हवन संपन्न कराया, जिसके मुख्य यजमान पूर्व मुख्यमंत्री पंडित भगवत दयाल शर्मा की नाती रेणुका शर्मा और उनके पति रमेश कौशिक गुरुग्राम थे। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और समिति के सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने विश्व कल्याण और सामाजिक समरसता की भावना के साथ यज्ञ में आहुतियां डाली। समिति के प्रधान गौतम ने कहा कि अक्षय तृतीया से शुरू हुए इस पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली विरासत और महापुरुषों के दिखाए मार्ग से जोड़ना है। मुख्य अतिथि रेणुका शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम न्याय और शक्ति के प्रतीक हैं, वहीं महात्मा बुद्ध शांति और करुणा के पुंज हैं। आज के समय में इन दोनों ही महापुरुषों की शिक्षाओं का समन्वय समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। महासचिव अजय शर्मा ने सभी आजीवन सदस्यों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति केवल तभी संभव है, जब हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें और सामूहिक उत्तरदायित्व को समझें। उन्होंने बताया कि आगामी 31 मई को समिति की वार्षिक बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समिति की आय-व्यय के विवरण के साथ आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा।

रेवाड़ी। बूढ़पुर में हवन करते हुए समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर लक्ष्मी नारायण शर्मा अध्यक्ष हिमालय परिवार हरियाणा, गिरीश भारद्वाज पूर्व पार्षद, बलवीर शर्मा पूर्व प्रधान, दिलीप पटवारी उप प्रधान, जगदीश राय वशिष्ठ कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य अजीत शर्मा, वासुदेव वशिष्ठ, नौबहसर गौतम, सांवलराम यादव, मेजर राजकुमार, तेजभान कुकरेजा कार्यकारिणी सदस्य, पुनीत वशिष्ठ व श्रीराम मुच्छल उपस्थित थे।

कंपनी की ट्रॉलियां बेचने का आरोपी चालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

थाना कसोला पुलिस आईएमटी की एक कंपनी का सामान खाली करने के बाद ट्रॉलियां कबाड़ी को बेचने के आरोप में कैंटर चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी की ट्रॉलियां बरामद करने के बाद कबाड़ी की तलाश शुरू कर दी। गत 1 मई को पुलिस शिकायत में यूपी के केलहुआ निवासी कुबेर नाथ मोर्य ने बताया था कि वह एक कंपनी में एचआर विभाग में डिप्टी मैनेजर है। उसकी कंपनी से 30 अप्रैल को एक कैंटर गाड़ी में ट्रॉलियों में होल्डर कंपाट्र्स भरकर सेक्टर-3 की एक कंपनी में भेजे गए थे। कैंटर पर रघुनाथपुरा निवासी कुलदीप चालक था। मोर्य ने आरोप लगाया कि कुलदीप ने कंपनी में सामान खाली करने के बाद वापस आते समय 3 खाली ट्रॉली कबाड़ी को बेच दी। पुलिस ने उसकी शिकायत पर अमानत में खयानत का केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया। तीनों ट्रॉली भी पुलिस ने बरामद कर ली।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में अरावली व नीलगिरि सदन का रहा दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा में शनिवार को हिमालय सदन की देखरेख में साप्ताहिक बाल सभा का आयोजन किया गया, जिसमें गायन तथा निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें स्कूल के चारों सदनों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। गायन प्रतियोगिता में शिवालिक सदन तथा निबंध लेखन में अरावली व नीलगिरि सदन का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। बाल सभा की अध्यक्षता प्राचार्य एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने की। स्कूल के स्टाफ सचिव दिनेश कुमार ने मंच संचालन किया। गायन प्रतियोगिता में प्राध्यापिका सोनू, मंजू शर्मा व प्रदीप चौहान तथा निबंध प्रतियोगिता में प्राध्यापिका सीमा, अनीता तथा प्रियंका ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। हिंदी अध्यापक शक्ति सिंह के संचालन में आयोजित बालसभा में पिछले शनिवार की बालसभा के विजेताओं को सम्मानित किया गया। एबीआरसी अनुराधा चौहान ने एससीईआरटी गुरुग्राम की ओर से आयोजित किए जाने वाले रोल प्ले तथा सामूहिक नृत्य की जानकारी दी। मेजबान सदन की ओर से वरिष्ठ प्राध्यापक नरेश कुमार ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

न्यूज डायरी

विद्यार्थियों ने पक्षियों को गर्मी में राहत देने के लिए दाना-पानी का किया प्रबंध

रेवाड़ी। लाखनौर स्थित विवेकानंद पब्लिक स्कूल में भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यार्थियों, अध्यापकों व विद्यालय प्रबंधन की ओर से विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की गई। शिक्षकों और विद्यार्थियों की ओर से मिट्टी के सकोरे पानी भरकर विद्यालय के अनेक स्थानों पर रखे गए। वही विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में लगे सभी पौधों में पानी भी डाला ताकि उन्हें भीषण गर्मी के प्रकोप से बचाया जा सकें। उन्होंने पक्षियों के लए पेड़ों की डालियों पर दाना पात्र भी लगाए। विद्यार्थियों ने सकोरों में नियमित रूप से पानी भरने की शपथ ली तथा सभी पौधों को प्रतिदिन पानी देने का भी संकल्प लिया। विद्यालय के निदेशक एडवोकेट सुधीर यादव ने विद्यार्थियों के इस करुणा भाव के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को भीषण गर्मी के प्रकोप से अपने आपको सुरक्षित रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थों जैसे पानी, नींबू पानी, ओआरएस व ताजा फलों का जूस का सेवन करने की अपील की।

जाहिदपुर से 30 वर्षीय युवक लापता

कोसली। जाहिदपुर गांव से एक युवक बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गया। युवक के पिता पवन कुमार ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका 30 वर्षीय लड़का नितिन कुमार 27 अप्रैल प्रातः घर से बिना बताए चला गया है। उन्होंने अपने स्तर पर चार दिन तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। युवक अपना मोबाइल फोन भी साथ ले गया है। कोसली पुलिस ने शुक्रवार को गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो घायल, कार चालक पर केस दर्ज

कोसली। गुड़ियानी गांव से पाल्हावास रोड पर गत रविवार को हुई सड़क दुघर्टना के मामले में मुलरूप से महेंद्रगढ़ जिले के गांव लावन निवासी तथा वर्तमान में गढ़ी हरसरू में रह रहे एक व्यक्ति ने अज्ञात कार चालक पर दुर्घटना करने के आरोप में कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। विकास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 अप्रैल को वह अपने साथी नीरज के साथ गांव लावन गया था। वापसी में वह बाइक चला रहा था तथा नीरज पीछे बैठा हुआ था। जब वे गुड़यानी गांव से पाल्हावास रोड पर पहुंचे तो तेज गति से आ रहे एक कार चालक ने सामने से उनकी बाईक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर जा गिरे। दुर्घटना में दोनों को गंभीर चोटें आई। घटना के बाद आसपास के लोगों ने बेहोशी की हालत में नीरज को तथा उन्हें रेवाड़ी ट्रामा सेंटर पहुंचाया। नीरज को डॉक्टर ने रोहतक पीजीआई रैफर कर दिया तथा परिजनों ने विकास को रेवाड़ी के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया। उपचार के बाद उन्होंने शनिवार को कोसली थाने में शिकायत दी। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

कार्यक्रम: ओजस्वी, हास्य और व्यंग्य से भरपूर रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर किया

किसी भी राष्ट्र की प्रगति की नींव श्रमिकों के परिश्रम पर टिकी: वर्मा

रेवाड़ी। कार्यक्रम में काव्य पाठ करते हुए कवि तथा कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में सोमाणी कॉलेज में वार्षिक समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। देर रात तक चला आयोजन शिक्षा और साहित्य के संगम से सरोबार रहा। कार्यक्रम में कॉलेज के मेधावी विद्यार्थियों को शैक्षणिक, खेल और सांस्कृतिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। एसआईटीएम के चीफ एडवाइजर एचएल वर्मा ने विद्यार्थियों के भविष्य संवारने में संस्था की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति की नींव श्रमिकों के परिश्रम पर टिकी होती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया गया कि वे श्रम की गरिमा को समझें और ईमानदारी को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाएं।

कवियों ने कवि सम्मेलन ने बांधा समां

कार्यक्रम के दौरान शाम के सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में कवि एडवोकेट प्रेमपाल 'अनपढ़', आलोक भाड़ोरिया, प्रो. लाज कौशल, कुमार विकास, चंद्रकांत, मनोज कौशिक, डा. आरती सिंह, डा. जोगेंद्र मोर एडवोकेट एवं आगरा से चेतना ने अपनी ओजस्वी, हास्य और व्यंग्य से भरपूर रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर किया। कवियों ने स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी के जीवन पर भी प्रकाश डाला। स्वतंत्रता सेनानी ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और देश की आजादी से पहले ही शिक्षा के क्षेत्र में काम करते हुए स्कूल की स्थापना की थी। मजदूर वर्ग के संघर्ष, सामाजिक विसंगतियों और राष्ट्रप्रेम पर केंद्रित काव्य पाठ ने पूरे प्रांगण को तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम में पूरे देश से जनप्रतिनिधि, साहित्य अनुरागी, बुद्धिजीवी व नागरिक उपस्थित थे। बॉलीवुड एक्टर संजय वर्मा कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण थे।

▸▸| ईमानदारी को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाएं

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रो. हंसराज, बीएसपी नेता ठाकुर अत्तरलाल, लवली यादव, उद्योगपति अशोक सोमाणी, राष्ट्रीय नवचेतना मंच के राष्ट्रीय संयोजक जननेता विजय सोमाणी, मंजू सोमाणी, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विशाल सोमाणी व अधिवक्ता परिवर्तन सोमाणी सहित सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

कवर स्टोरी

रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटरः मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरीः इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिसः सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियरः यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिग्नल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल

सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना हैः अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायकः हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूतः हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावरः दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

नवनीत

डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य

राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिकाः पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादकः** देवांशु, **मूल्यः** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थलः** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

उत्तराखंड के ऑफबीट हिल स्टेशंस
दिखेंगे अनोखे नजारे-मिलेगा सुकून

गर्मियों में जब भी हिल स्टेशन पर सैर की बात आती है तो कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड भी पर्यटकों की हिट लिस्ट में शामिल होता है। लेकिन उत्तराखंड में केवल मसूरी, नैनीताल, हरिद्वार या अल्मोड़ा ही नहीं कई ऐसे छोटे ऑफबीट प्लेसेस भी हैं, जहां आपको दिलकश नजारे और अनोखा सुकून मिलेगा। ऐसे ही कुछ स्थलों पर एक नजर।

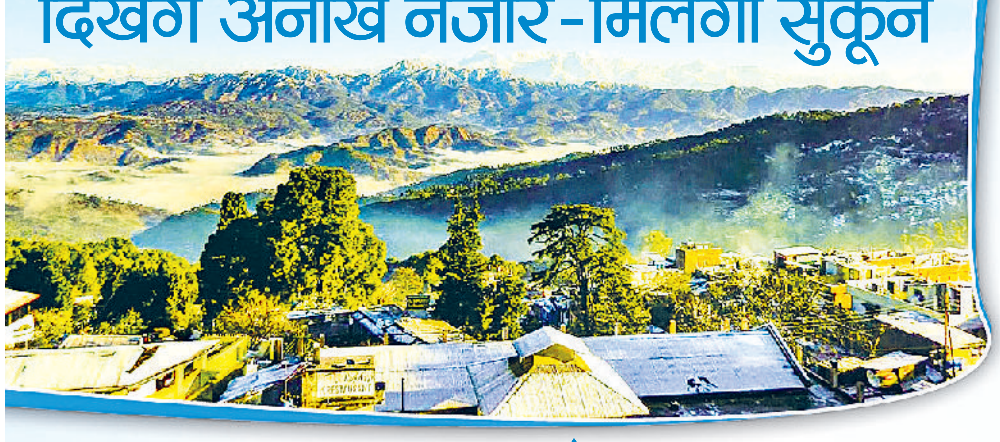

सैर-सपाटा / समीर चौधरी

इस तपती गर्मी में अगर आप उत्तराखंड की यात्रा करने की सोच रहे हैं तो भीड़-भाड़ भरे हिल स्टेशंस के बजाय इस बार कुछ ऑफबीट प्लेसेस का रुख कर सकते हैं। यहां की हरी-भरी वादियां और ऊंचे पर्वतों के बीच में से निकलती घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए आपको अनोखा अनुभव मिलेगा। हम आपको उत्तराखंड में स्थित ऐसे ही कुछ डिफरेंट हिल स्टेशंस के बारे में बता रहे हैं, जो इन गर्मियों में आपके घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशंस हो सकते हैं।

सर्द एहसास कराता है एबट

उत्तराखंड के एबट माउंट हिल स्टेशन के बारे में तो बहुत ही कम लोग जानते हैं, यही वजह है कि यहां लोगों की भीड़ देखने को नहीं मिलती। यह सुंदर जगह चीड़ व देवदार के जंगलों से घिरी हुई है। ब्रिटिश काल में बनाए गए यूनिक कॉटेज, इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यहां मौसम हमेशा ठंडा और माहौल बेहद सुकून भरा रहता है। यही वजह है कि यह जगह कपल्स, लेखकों, कलाकारों और अकेले घूमने वालों के लिए बहुत पसंदीदा मानी जाती है। यहां उगते हुए सूरज का सुंदर नजारा देखने के लिए, जंगल घूमने के लिए और पुराने ब्रिटिश कॉटेज देखने के लिए भी आपको जाना चाहिए।

प्राकृतिक सुंदरता-शांति का संगम पियोरा

उत्तराखंड का एक छुपा रुस्तम हिल स्टेशन है पियोरा, जो मुक्तेश्वर के नजदीक है। यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता व शांति के लिए विख्यात है। यहां की मोहक वादियों और दूर दिखने वाले हिमालय के पर्वतों का नजारा अत्यधिक सुकून प्रदान करता है। यहां न तो अधिक होटल हैं और न ही भीड़-भाड़ है। इसलिए गर्मियों में घूमने के लिए पियोरा अच्छी च्वाइस हो सकती है। पियोरा में आप जंगल के रास्तों पर ट्रैकिंग कर सकते हैं, डूबते हुए सूरज को देख सकते हैं।

पियोरा की मनमोहक वादियां

सदाबहार वन और घास के मैदान के लिए विख्यात चोपटा

ओक के घने पेड़ों से घिरा पंगोट

नैनीताल के पास पंगोट एक शांत एवं दिलकश हिल स्टेशन है, जो ओक और रोडोडेंड्रोन के जंगलों से घिरा हुआ है। अगर आप ठंडे और सुकून भरे वातावरण घूमते हुए अनेक तरह के पक्षियों को देखना चाहते हैं तो यह स्थान आपके लिए परफेक्ट है। किलबरी बर्ड सेंचुरी यहीं पर है। यहां ट्रैकिंग भी कर सकते हैं।

पंगोट का खूबसूरत नजारा

सुहाने मौसम के लिए मशहूर खिर्सू

पौड़ी-गढ़वाल के सबसे सुंदर गांवों में से एक है खिर्सू। गर्मियों में भी खिर्सू का मौसम ठंडा व सुहावना रहता है। सुहाना मौसम और नजारे इतने दिलकश कि बर्फ से ढंके हिमालय को देखकर ऐसा जी करता है कि समय ठहर जाए, मंजर बदले ही नहीं। भीड़भाड़ से दूर अगर आपको अच्छे मौसम के साथ शांति भी चाहिए तो आपके लिए खिर्सू परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां के खास आकर्षणों में सेब के बागान, ओक के जंगल, प्राचीन मंदिर और हिमालय व्यू पॉइंट हैं।

खिर्सू, ऋषिकेश से तकरीबन 130 किमी. के फासले पर स्थित है। ऋषिकेश से खिर्सू पहुंचने का यात्रा अनुभव भी आप कभी नहीं भूल पाएंगे। ऋषिकेश से लगभग 3 घंटे की सड़क यात्रा के बाद आप खिर्सू पहुंचेंगे। वहां कदम रखते ही आपको लगेगा जैसे प्रकृति अपनी बांहें फैलाए आपके स्वागत को तैयार है। प्रकृति प्रेमियों के लिए तो खिर्सू जन्नत सा एहसास देता है- कोई भागम भाग नहीं, बस सुकून भरे पल। वहां पर आप इस गांव की सैर करने के अलावा, हिमालय का अद्भुत नजारा देख सकते हैं। प्राचीन चालेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं और नेचर वॉक कर सकते हैं। सेब के बागानों की सैर करते हुए दूर तक फैले देवदार और चीड़ के जंगल भी खिर्सू के मुख्य आकर्षण हैं। गर्मी की छुट्टियों के अलावा सितंबर से नवंबर या फिर फरवरी मार्च में भी आप खिर्सू जाने की योजना बना सकते हैं। यहां ठहरने के लिए सरकारी गेस्ट हाउस ही सबसे अच्छा विकल्प है।

मिनी स्विटजरलैंड जैसा चोपटा

चोपटा, रुद्रप्रयाग जिले में स्थित एक बेहद सुंदर हिल स्टेशन है, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक सदाबहार वन और घास के मैदान फैले हुए हैं। यहां गर्मियों में भी मौसम ठंडा रहता है। ऐसे में सुंदर रास्तों पर ड्राइव करने में बहुत आनंद आता है। पक्षी प्रेमियों के लिए तो यह स्थान जन्नत से कम नहीं है, क्योंकि यहां 240 से अधिक प्रजातियों के पक्षी देखे जा सकते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा चौकोरी

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चौकोरी एक बेहद सुंदर-शांत हिल स्टेशन है, जहां आप बर्फ से ढंकी हिमालय की चोटियां, विशेष रूप से नंदा देवी और पंचचूली के दिलकश नजारे देख सकते हैं। यहां खूबसूरत चाय के बागान भी हैं। इनमें घूमना आपको अनोखे एहसास से भर देगा। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थान आपको एक अलग ही अनुभव देगा।

भीड़ से दूर सुकून के लिए जखोल

उत्तरकाशी जिले के बेहद सुंदर हिल स्टेशन जखोल का महत्व इस लिहाज से भी है कि यह पारंपरिक व ऐतिहासिक गांव है, जो सांकरी के पास स्थित है। जखोल को 'पोटैटो विलेज' के नाम से भी जाना जाता है। जखोल में लकड़ी के घर, सीढ़ीदार खेत और सुंदर पहाड़ आप देख सकते हैं। गांव में घूमते हुए स्थानीय पहाड़ी संस्कृति को समझने के लिए भी यह स्थान उपयुक्त है। यहां हिमालयी ट्रैकिंग के कुछ प्रवेश द्वार भी हैं। इस तरह से कहा जा सकता है कि भीड़भाड़ से दूर सुकून और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए उत्तराखंड का जखोल आदर्श पर्यटन स्थल माना जा सकता है। *

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म
दो हजार साल पुराना कंप्यूटर

आधुनिक कंप्यूटर का आविष्कार भले ही 19वीं सदी की बात हो। लेकिन आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व ऐसे डिवाइस मौजूद थे, जो किसी एनालॉग कंप्यूटर की तरह काम करते थे। ऐसे ही एक प्राचीन कंप्यूटर एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म के बारे में जानिए।

रोचक / शिखर चंद जैन

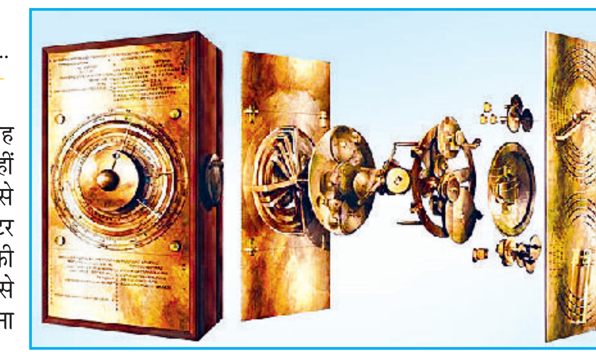

आपको शायद यह पढ़कर यकीन नहीं होगा कि आज से 2000 साल पहले भी कंप्यूटर मौजूद था। भले ही वो आज की तरह हाईटेक नहीं था लेकिन उसे कंप्यूटर का पहला स्वरूप माना जाता है।

समुद्र में मिला पहला कंप्यूटर: 1900 के पहले दशक की शुरुआत की बात है। ग्रीस (प्राचीन यूनान) के पास समुद्र की गहराइयों में डूबे एक जहाज के मलबे से मिली एक अजीबो-गरीब चीज ने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया था। भूमध्य सागर में, एंटीकाइथेरा नाम के एक छोटे से यूनानी द्वीप के पास, कुछ गोताखोर समुद्र की गहराइयों में मोती और स्पंज (समुद्री जीव) खोज रहे थे। उन्हें अचानक समुद्र के तल पर एक पुराना, डूबा हुआ जहाज मिला। यह जहाज सैकड़ों साल पुराना था। गोताखोरों ने मलबे से कई अद्भुत चीजें बाहर निकालीं- सुंदर मूर्तियां, धातु के बर्तन, ढेर सारी कीमती धातुएं और रत्न। लेकिन एक चीज सबसे अलग थी। वह धातु का एक अजीब-सा टुकड़ा था, जिस पर बहुत जंग लगी थी। यह कोई साधारण पत्थर या मिट्टी का बर्तन नहीं था। यह एक मशीन थी, जिसमें बहुत सारे गियर और पहिए लगे थे, ठीक वैसे ही जैसे हाथ घड़ी में होते हैं। इसे एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म कहा जाता है।

जब वैज्ञानिक इस जंग लगे टुकड़े को एथेंस के नेशनल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम में ले गए और उसे साफ किया, तो वे हैरान रह गए। यह कोई साधारण टुकड़ा नहीं था, यह दुनिया का सबसे पुराना 'एनालॉग कंप्यूटर' था!

इसलिए माना गया इसे कंप्यूटर: आज के कंप्यूटर बिजली से चलते हैं और उनमें कई चिप लगी होती हैं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म, बिजली से नहीं चलता था। यह एक मैकेनिकल कंप्यूटर था। इसका मतलब है कि यह छोटे-छोटे धातु के पहियों, जिन्हें गियर कहते हैं, से बना था। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में कम से कम 30 अलग-अलग गियर थे। जब कोई व्यक्ति इसमें एक हैंडल घुमाता था, तो मशीन के आगे और पीछे लगे डायल पर लगी सुइयां हिलती थीं। यह मशीन कंप्यूटर की तरह ही सटीक गणनाएं करती थी। हजारों साल पहले लोगों के अद्भुत इंजीनियरिंग की समझ का उदाहरण है एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म।

कई गणनाओं में था सक्षम: यह एक प्रकार का खगोलीय कैलकुलेटर था, जो अंतरिक्ष के बारे में गणना कर सकता था। यह ग्रहों और चंद्रमा की चाल बता सकता था। यह इस बात की भी गणना कर लेता था कि आने वाले महीनों और सालों में आकाश में चंद्रमा और सूर्य की स्थिति क्या होगी? यह कंप्यूटर पूर्णिमा और अमावस्या के साथ ही ग्रहण की भी गणना कर सकता था।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में एक खास डायल था, जिसे सरोस डायल कहते थे। यह डायल सटीक तरीके से बता सकता था कि अगले 18 सालों में सूर्य और चंद्र ग्रहण कब-कब होंगे? उस जमाने में यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

कंप्यूटर की संरचना: यह मशीन एक लकड़ी के बक्से के अंदर रखी हुई थी और इसके चारों ओर दरवाजे थे, जिन पर निर्देश लिखे थे। वैज्ञानिकों ने एक्स-रे तकनीक का उपयोग करके मशीन के अंदर देखा, उन्होंने पाया कि अंदर के गियर कांस्य यानी कॉपर के बने थे। उनकी संरचना छोटी और जटिल थी। कुछ गियर तो सिर्फ एक मिलीमीटर चौड़े थे। यह दिखाता है कि उस समय के कारीगर कितने कुशल थे। वे जानते थे कि गियर को एक-दूसरे के साथ सही अनुपात में कैसे फिट किया जाए ताकि वे गणितीय/खगोलीय गणनाएं कर सकें।

यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है: इस मशीन की खोज से पहले, वैज्ञानिकों को लगता था कि इतनी जटिल मशीनें मध्य युग या पुनर्जागरण काल तक नहीं बनाई गई थीं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म ने यह सोच बदल दी। इसने साबित कर दिया कि 2,000 साल पहले भी, लोगों के पास अविश्वसनीय तकनीकी ज्ञान था। यह मशीन आज की जटिल घड़ियों, कंप्यूटर और खगोलीय उपकरणों की पूर्वज मानी जाती है। *

टेक्नोइंपैक्ट / अपराजिता

एक समय तक लोग हंसने के लिए एक-दूसरे को चुटकुले सुनाते, सर्कस में जोकर की हरकतें, स्टैंडअप कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवीज देखते थे। लेकिन आज एआई और चैट-जीपीटी के जमाने में हंसना-हंसाना भी स्वाभाविक न होकर टेक्नोलॉजी जेनरेटेड होता जा रहा है। हास्य के बदलते ट्रेंड पर एक नजर।

लाफ्टर पर हावी होती टेक्नोलॉजी
हंसने-हंसाने का बदल गया तरीका

हर साल मई के पहले रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर-डे मनाया जाता है। आज लाफ्टर-डे है। हास्य दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हंसी सिर्फ एक भाव नहीं बल्कि सामाजिक ऊर्जा भी है। एक ऐसी ताकत, जो तनाव, अलगाव और भय को दूर कर देती है। लेकिन इस एआई के दौर में सब चीजें वैसी ही नहीं रहीं, जैसी हम उन्हें अब तक जानते रहे हैं।

हास्य में एआई का हस्तक्षेप

हास्य के क्षेत्र में एआई ने जबरदस्त हस्तक्षेप किया है। आज का हास्य सिर्फ इंसानी अनुभव नहीं है बल्कि एक खास तरह का एल्गोरिद्म बन चुका है, डेटा और मशीन लर्निंग का मिला-जुला रूप है। आज एआई टूल्स ने हास्य को कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले स्टैंडअप कॉमेडी या व्यंग्य लेखन एक विशेष कौशल माना जाता था। लेकिन आज यह कौशल नहीं बल्कि प्रॉम्प्ट्स बनकर रह गया है। आप चैटजीपीटी या किसी भी लार्ज लैंग्वेज मॉडल को कुछ संकेत करिए, वो पल भर में आपको चुटकुले, मीम्स या व्यंग्यात्मक लेख तैयार करके दे देगा। इसका एक सकारात्मक पहलू यह है कि छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी हंसने की नई-नई विधाएं, नई-नई आवाजें उभर रही हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है, जब हर कोई हास्य बना सकता है, तो भला हंसने की जरूरत कहां रहती है? अगर हंसाना कोई खास गुण नहीं है, तो कोई दूसरे के हंसाने पर क्यों हंसेगा?

खो रही मौलिकता

पहले जब हम किसी के मौलिक हास्य से रूबरू होते थे, तो उसे एक खास प्रतिभा मानते थे, जो किसी-किसी को मिलती है। आज एआई ने इसमें भी एक तरह का संकट पैदा कर दिया है। कॉपी-पेस्ट कॉमेडी का खतरा बढ़ चला है। अगर आप गौर से सुनें तो एक हजार चुटकुलों में शायद ही दो-चार ऐसे आपको मिलेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी न सुना हो। दरअसल, हास्य का यह मशीनीकरण बहुत गहरे अर्थों में हमें हास्य से धीरे-धीरे दूर कर रहा है क्योंकि मशीन चाहे जितना बढ़िया हास्य भाव या हास्य रस पैदा कर ले, हम इंसान कभी संतुष्ट ही नहीं होंगे, न ही कभी उसे किसी तरह का रचनात्मक कर्म मानेंगे।

हास्य का पर्सनलाइजेशन

हास्य की दुनिया में एआई का एक बड़ा प्रभाव यह भी है कि इसने हंसने की समूची प्रक्रिया का 'पर्सनलाइजेशन' कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे व्यवहार, हमारी पसंदगी-नापसंदगी और हमारे देखने के ढंग पर इतनी बारीक निगाह रखती है कि जब वो हमें हास्य परोसती है, तो वही हास्य परोसती है, जिस पर हम हंसते हैं। लेकिन यह शुरू-शुरू में तो हंसाती है, बाद में एक ही जैसे कंटेंट देख-देखकर हम बोर होने लगते हैं। कहने का मतलब यह कि एआई का हास्य जितनी तेजी से आकर्षित करता है, उतनी ही तेजी से हमें विकर्षित भी करता है यानी मोहभंग भी उसी रफ्तार से होता है। क्योंकि एआई हमें एक खास तरह के ईको चैंबर में कैद कर देती है और यह इंसानी फितरत होती है कि वह किसी भी एकरसता से ऊब जाता है, चाहे फिर एकरसता उसकी कितनी ही पसंद की क्यों न हो? हास्य व्यंग्य के सामने एआई ने यही सबसे बड़ा खतरा पैदा कर दिया है कि थोक के भाव में जब किसी किस्म का हास्य तैयार होगा, तो वह कितने दिनों तक हंसा पाएगा या उसके हंसाने में कितने दिनों तक नयापन, ताजगी या अनोखापन रह पाएगा। आज के दौर का सबसे लोकप्रिय हास्य माध्यम मीम है। एआई ने मीम निर्माण को इतना मशीनीकृत कर दिया है कि कोई घटना घटती नहीं कि कुछ ही मिनट में हजारों, लाखों मीम्स तैयार हो जाते हैं। शुरू-शुरू में इस कौशल ने जरूर रोमांचित किया था। क्योंकि उसके पहले इंसान की रफ्तार इतनी तेज नहीं थी, लेकिन आज ये कौशल रोमांच नहीं कर रहा बल्कि कुछ ही देर में उबाने लगता है। एआई का हास्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा यही है कि यह इसे डेड कॉमेडी बनाती जा रही है। *

एआई-लाफ्टर के पांच बड़े ट्रेंड

इंस्टेंट कॉमेडी: यह वो हास्य ट्रेंड है, जिसमें सेकेंडों में चुटकुले और मीम्स तैयार किए जाते हैं।

पर्सनलाइजेशन: आज एआई, हर व्यूवर और हर लिसनर को ध्यान में रखकर उसकी पसंद, नापसंद के मुताबिक हास्य तैयार करता है। यह अलग ही किस्म का हास्य अनुभव है।

ग्लोबल ह्यूमर: आज बाकी क्षेत्रों की तरह ही हास्य की दुनिया में भी भाषा और संस्कृति की सीमाएं टूट रही हैं।

एथिकल चैलेंज: पहले मजाक सिर्फ मजाक तक सीमित रहता था, वह अपमान की हद तक नहीं जाती थी, लेकिन आज एआई के प्रभाव में कॉमेडियन भी हास्य को अपमान की सीमा तक ले जाने में संकोच नहीं करते हैं।

ह्यूमन-एआई सहयोग: यह एक ऐसा भविष्य का कॉमेडी मॉडल है, जो अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है, मगर इसके कुछ-कुछ रूप रंग दिखने लगे हैं, जिससे पता चलता है कि ये बाकी सबसे ज्यादा मशीनी होगा।

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में कॉमेडी, दर्शकों का पसंदीदा जॉनर रहा है। इसीलिए कॉमेडी करने वाले एक्टर्स ही नहीं सीरियस एक्टर्स ने भी कई फिल्मों में कॉमेडी की। नए-पुराने दौर की कुछ बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

लाफ्टर डोज से भरपूर
बेहतरीन कॉमेडी फिल्में

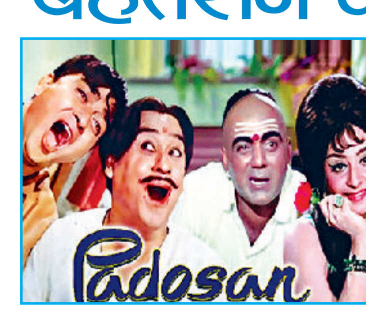

सिने ट्रेंड / अशोक वाधवाणी

रोजमर्रा की भाग-दौड़ और तनाव से कुछ देर राहत पाने के लिए अधिकांश दर्शक हिंदी कॉमिक फिल्में देखना खूब पसंद करते हैं। यही वजह है कि शुरुआती दौर से ही लाफ्टर के डोज से भरपूर एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में बनती रही हैं। ऑल टाइम फेवरेट कुछ कॉमेडी फिल्मों और एक्टर्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

महमूद की कॉमेडी फिल्में: हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर में नाममात्र की कॉमेडी फिल्में बनती थीं। पुराने दौर के फेमस कॉमेडियन और वर्सेटाइल एक्टर महमूद ने फिल्मों में एक्टिंग के साथ-साथ कई कॉमेडी फिल्मों का निर्माण भी किया। इनमें प्रमुख हैं- 'छोटे नवाब', 'भूत बंगला', 'पड़ोसन', 'बॉम्बे टू गोवा' आदि। 'पड़ोसन' एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी है, जो बॉलीवुड कॉमेडी मूवीज का माइलस्टोन है। उत्कृष्ट गीत-संगीत, संवाद के अलावा सुनील दत्त, किशोर कुमार, महमूद और सायरा बानो के बेहतरीन अभिनय का संगम है यह फिल्म। आज भी इस फिल्म का क्रेज कायम है।

किशोर कुमार की यादगार कॉमेडी मूवीज: बेहतरीन गायक और अभिनेता, किशोर कुमार ने भी कई कॉमेडी फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को खूब हंसाया-गुदगुदाया। 'हाफ टिकट', 'चलती का नाम गाड़ी', 'दिल्ली का ठग', 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे', 'प्यार किए जा' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनमें किशोर कुमार की नायक और गायक दोनों ही भूमिकाओं को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

सीरियस डायरेक्टर्स की कॉमिक फिल्में: कॉमेडी फिल्मों के क्रेज को देखते हुए ही सीरियस फिल्में बनाने वाले कई डायरेक्टर्स ने भी कॉमेडी फिल्में बनाईं। हृषिकेश मुखर्जी ने पहले 'गोलमाल' (1979) बनाई जो हिट रही। फिर इसकी सक्सेस से प्रेरित होकर 'चुपके-चुपके', 'रंग-बिरंगी', 'खूबसूरत' जैसी कॉमेडी मूवी बनाकर ऑडियंस को चौंकाया। इसी तरह गुलजार की 'अंगूर' (1982) ऑल टाइम लाइक की जाने वाली कॉमेडी मूवी है। राजकुमार संतोषी की 'अंदाज अपना-अपना' (1994) बढ़िया कॉमेडी मूवी है।

कॉमेडी करने वाले सीरियस एक्टर: दिलीप कुमार जैसे सीरियस एक्टर ने भी 'राम और श्याम', 'गोपी' के अलावा 'आजाद' और 'कोहिनूर' में भी मीना कुमारी के साथ जमकर कॉमेडी की। 'खूबसूरत' में रेखा ने भी अपनी कॉमिक टाइमिंग का कमाल दिखाया। संजीव कुमार जैसे संजीदा अभिनेता ने 'मनचली', 'अपने रंग हजार', 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी स्वाभाविक शैली में खूब मनोरंजन किया। अशोक कुमार ने 'विक्टोरिया नंबर 203' में प्राण के साथ मिलकर जबरदस्त कॉमेडी की। इनके अलावा परेश रावल, पंकज त्रिपाठी, नवाजुद्दीन सिद्दिकी, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी ने भी कई कॉमिक रोल किए हैं।

नए दौर की कॉमेडी फिल्में: हाल के दशकों में आई हिंदी कॉमेडी फिल्मों की बात करें तो निर्देशक प्रियदर्शन ने कुछ बेहतरीन कॉमेडी मूवीज बनाई हैं। 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'हलचल', 'दे दनादन' 'ढोल', 'चुप-चुपके' प्रियदर्शन की ऐसी ही फिल्में हैं, जिन्हें देखते हुए दर्शक लोट-पोट हो जाते हैं। कुछ अन्य फिल्म मेकर्स ने भी कमाल की कॉमेडी फिल्में बनाई हैं। कॉमेडी फिल्म 'धमाल' (2007) की दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में कोई एक्ट्रेस नहीं है। 'चाची-420' में कमल हासन और 'आंटी नंबर वन' में गोविंदा लेडीज गेटअप में नजर आए हैं। इन दोनों फिल्मों ने भी दर्शकों को खूब हंसाया।

ये कॉमिक गाने भी हुए हिट: बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई सॉन्ग्स भी बने हैं, जिनमें कॉमेडी का तड़का है। महमूद पर तो बड़ी संख्या में कॉमेडी गीत पिक्चराइज हुए हैं। 'पड़ोसन' का गीत 'एक चतुर नार, बड़ी होशियार...' को कौन भूल सकता है भला! इसी तरह 'नमक हलाल' का गीत 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी...' मनोरंजक है। हाल के दौर में इस तरह के गीतों की बात करें तो 'साड़ी के फॉल सा...' (आर. राजकुमार), 'चिंता ता ता चित्ता चित्ता...' (राउडी राठौर), 'मां दा लाडला बिगड़ गया...' (दोस्ताना), 'चलाओ ना नैनों के बाण रे...' (बोल बच्चन) 'हट्टे-कट्टे, उल्लू के पट्ठे। एक ही थाली के चट्टे-बट्टे...' (चश्मे बद्दूर) आदि ऐसे लोकप्रिय गीत हैं, जो गुदगुदाते भी हैं।

क्लाइमैक्स में कॉमेडी: जिस तरह एक्शन फिल्मों का क्लाइमैक्स काबिले गौर होता है, ठीक वही बात कॉमेडी फिल्मों पर भी लागू होती है। निर्माता राज कपूर और निर्देशक राहुल रवैल की जोड़ी की मूवी 'बीवी-ओ-बीवी' के अंत में कार रेस के साथ, रणधीर कपूर द्वारा बाइक पर किया गया पीछा हंगामेदार है। कारों की ऐसी कलाबाजियां होती हैं, जिसे देखकर दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाते। इसी तरह 'धमाल' (2007) में खजाना पाने की लालसा में सारे कलाकार एक-दूसरे को पछाड़ते हुए आगे निकलने के लिए जो तिकड़में लगाते हैं, वो कहकहे लगाने के लिए काफी हैं। 'वेलकम' (2007) में मधुमक्खियों के छत्ते का झुंड सभी कलाकारों पर आक्रमण करता है। उसके बाद जो भगदड़ मचती है, हंगामा होता है, वो देखने लायक है। प्रियदर्शन की 'हलचल' में अक्षय खन्ना और करीना कपूर के विवाह से पहले मंगलसूत्र को लेकर छीना-झपटी होती है। सबके बीच ऐसी भागदौड़ शुरू होती है कि दर्शक हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं। *